साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 28 | गोंदिया : गुरुवार, 17 से 23 फरवरी 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिये
राष्ट्रवादी व भाजपा का गठबंधन

सड़क अर्जुनी एवं अर्जुनी मोरगांव में राष्ट्रवादी के नगराध्यक्ष व देवरी में भाजपा सत्ता में

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले की तीन नगर पंचायतों सड़क अर्जुनी, अर्जुनी मोरगांव तथा देवरी के नगर पंचायत अध्यक्ष पद का चुनाव 16 फरवरी को संपन्न हुआ। जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस व भाजपा द्वारा गठबंधन करते हुए सड़क अर्जुनी और अर्जुनी मोरगांव में राष्ट्रवादी के नगराध्यक्ष व देवरी में भाजपा का नगराध्यक्ष निर्वाचित हुआ।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले की

तीन नगर पंचायतों के नगराध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के चुनाव पर अंतिम समय में राष्ट्रवादी व भाजपा के बीच गठबंधन हुआ। जिसके चलते राष्ट्रवादी के दो नगराध्यक्ष व भाजपा का एक नगराध्यक्ष सत्ता पर काबिज हुआ। जिसके चलते महाविकास आघाडी का समीकरण पूरी तरह डगमगा गया।

देवरी नगर पंचायत में 17 में से 11 भाजपा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। जिसमें यहां पर भाजपा को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ था। किंतु गठबंधन कर नगर अध्यक्ष पद पर भाजपा के संजू उईके व उपाध्यक्ष पद पर प्रज्ञा सांगीडवार निर्वाचित हुई। यहां पर नगराध्यक्ष पद के लिए एकमात्र नामांकन दाखिल होने से वे निर्वाचित घोषित किए गए तथा उपाध्यक्ष पद के लिए भाजपा की ओर से प्रज्ञा सांगीडवार व कांग्रेस की ओर से सरबजीत सिंग भाटिया ने नामांकन दाखिल किया था। जिसमें भाजपा उम्मीदवार को भाजपा के 11 व राकांपा के 2 सदस्यों का समर्थन मिला। इस तरह 13 वोट प्राप्त कर सांगीडवार विजय हुई। जबकि कांग्रेस के भाटिया को केवल 4 मत ही प्राप्त हुए। भाजपा के विजयी नगराध्यक्ष व उपाध्यक्ष को पूर्व विधायक संजय पुराम, अनिल येरने, प्रमोद सांगीडवार, महेश जैन तथा पक्ष के कार्यकर्ताओं द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

सड़क अर्जुनी नगर पंचायत में नगराध्यक्ष पद एसटी प्रवर्ग के लिए आरक्षित होने से राकापा के उम्मीदवार तेजराम मडावी निर्विरोध निर्वाचित हुए

तथा उपाध्यक्ष पद के लिए राकांपा की वंदना डोंगरवार निर्वाचित हुई। सड़क अर्जुनी में चुनावी प्रक्रिया पीठासीन अधिकारी पूजा गायकवाड व सहायक अधिकारी भारत नंदनवार की उपस्थिति में संपन्न की गई।

सबसे अधिक रोचक चुनाव अर्जुनी मोरगांव नगर पंचायत का रहा। जहां किसी भी पक्ष को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था। यहां 17 सदस्यों में से राष्ट्रवादी कांग्रेस के 4, भाजपा के 7, कांग्रेस के 4, शिवसेना 1 व निर्दलीय 1 सदस्य निर्वाचित हुए थे। जिससे संभावना जताई जा रही थी कि महाविकास आघाडी जिसमे राष्ट्रवादी, कांग्रेस, शिवसेना व निर्दलीय का गठबंधन होकर नगराध्यक्ष पद चुनाव किया जाएंगा। लेकिन समय पर राष्ट्रवादी द्वारा भाजपा से गठबंधन कर नगराध्यक्ष पद की सत्ता हासिल की। जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस की मंजूषा बारसागडे तथा उपाध्यक्ष पद पर भाजपा की ललिता टेंभरे निर्वाचित हुई। नगराध्यक्ष पद के लिए मंजूषा बारसागड़े निर्विरोध निर्वाचित हुई। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पक्ष की ओर से ललिता टेंभरे तथा कांग्रेस की ओर से सर्वेश भूतड़ा द्वारा नामांकन दाखिल किए थे। जिसमें भाजपा की ललिता टेंभरे को 12 मत तथा कांग्रेस के सर्वेश भूतड़ा को 5 मत प्राप्त हुए। उपरोक्त चुनाव प्रक्रिया पीठासीन अधिकारी अनिल सवाई तथा सहायक चुनाव अधिकारी के रुप में नगर पंचायत की मुख्याधिकारी कु.शिल्पा रानी जाधव ने सहयोग किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को राष्ट्रवादी कांग्रेस के तहसील अध्यक्ष लोकपाल गहाने, किरण काबले, दानेस साखरे, सादर आरेकर, दीक्षा सहारे, राकेश जायसवाल, चित्रलेखा मेश्राम द्वारा अभिनंदन किया गया।

नगर परिषद टैक्स वसूली अभियान
बकायादारों को नोटिस

महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत औद्योगिक नगरी अधिनियम 1965 धारा 152, 155, 156 के आदेश के तहत संपत्ति खरीदी बिक्री और कर्ज लेने के लिए नगर परिषद की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। लेकिन जिन पर बकाया है उन्हें ना हरकत प्रमाणपत्र नहीं दिया जाएगा। जिससे वे अपनी संपत्ति का अन्य उपयोग नहीं कर सकेंगे। बकायादारों की संपत्ति नगर परिषद प्रशासन द्वारा सिल की जाएंगी।

बुलंद गोंदिया - मार्च महिना करीब आते ही आर्थिक वर्ष 2021-22 के नगर परिषद संपत्ति कर की वसूली के लिए गोंदिया नगर परिषद द्वारा जब्ती नोटिस अभियान शुरु किया है। जिसमें बकायादारो को 3 दिनों में टैक्स जमा करने का नोटिस दिया जा रहा है। नोटिस प्राप्त होते ही टैक्स जमा न करनेवाले संपत्तिधारकों की संपत्ति सील की जाएंगी। इसी के तहत नगर परिषद टैक्स विभाग के प्रमुख उप मुख्याधिकारी विशाल बनकर व उनके दल द्वारा इंडियन ओवरसीज बैंक, बीएसएनएल कार्यालय व मेडिकल सहित विभिन्न प्रमुख शासकीय कार्यालयों, बैंकों व निजी संपत्तिधारकों को नोटिस देने का अभियान शुरु किया है। इसके पूर्व नोटिस देने के पश्चात कुछ संपत्ति को सील किया गया था।

उल्लेखनीय है कि गत 2 वर्षों से नगर परिषद द्वारा टैक्स वसूली पर कड़ा रुख अपनाया जा रहा है। जिससे बकायादारों की संख्या कम तो हो रही है किंतु नगर परिषद में प्रतिवर्ष के अनुसार टैक्स वसूली का प्रतिशत बढ़ नहीं पा रहा है। बकाया संपत्तिधारकों को

वसूली के लिए अभियान तेज

गोंदिया नगर परिषद के संपत्तिधारकों पर टैक्स बकाया है या जिन बकायेदारों पर बड़ी राशि है उन सभी को नोटिस दिया जा रहा है। इस नोटिस के में उन्हें 3 दिनों की समयावधी दी गई है। अवधी खत्म होने के पश्चात उनकी संपत्ति सील की जाएंगी। फिलहाल बीएसएनएल सेवा केंद्र, मेडिकल, एजेंसी संचालकों सहित 211 बकायेदारों को नोटिस दिया गया है। यह अभियान निरंतर चलता रहेगा।

- विशाल बनकर, उप मुख्याधिकारी व टैक्स अधीक्षक, नगर परिषद गोंदिया

२ लाख ८७ हजार का मादक पदार्थ गांजा जप्त

समता एक्सप्रेस के शौचालय में की जा रही थी तस्करी

गोंदिया आरपीएफ की कार्रवाई

बुलंद गोंदिया - समता एक्सप्रेस के शौचालय में लावारिस अवस्था में मादक पदार्थ गांजा की तस्करी किए जाने की गुप्त जानकारी गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल को प्राप्त होने पर ट्रेन की तलाशी लिए जाने पर 3 बड़े बेगो में 28 किलो 720 ग्राम मादक पदार्थ गांजा प्राप्त हुआ जिसकी अंदाजन कीमत 287200 बताई गई।

गौरतलब है कि गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल को सुरक्षा नियंत्रण कक्ष नागपुर से मौखिक सूचना प्राप्त हुई की गाड़ी क्रमांक 12807 समता एक्सप्रेस में तीन बैग लावारिस अवस्था में शौचालय में है। इसकी सूचना प्राप्त होते ही रेलवे सुरक्षा बल के मंडलायुक्त पंकज चुघ सहायक सुरक्षा आयुक्त एसडी देशपांडे के मार्गदर्शन में गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी नंद बहादुर, अपराध गुप्तचर शाखा के निरीक्षक अनिल पाटिल उपनिरीक्षक मयंक मिश्रा, आरक्षक नासिर खान, प्रधान आरक्षक करतार, आरक्षक राजेश्वर गुप्ता, विशाल ठवरे, एन.ई. नगराले, एस.के. नेवारे, सुभाष ठोबरे के एक दल का गठन कर 9 फरवरी की रात 12.22 के दौरान प्लेटफार्म क्रमांक 3 पर समता एक्सप्रेस के गोंदिया पहुंचने पर गाड़ी की घेराबंदी कर तलाशी लिए जाने पर कोच एस-7 के बाथरुम में 3 नग कपड़े के बड़े बैग लावारिस अवस्था में बरामद हुए हैं। तथा गाड़ी के ऊकने तक सभी कोचों में बेगो के मालिक की तलाश की गई तो किसी ने भी अपना होना नहीं बताया जिसके पश्चात प्रभारी निरीक्षक नंद बहादुर द्वारा उपरोक्त टीम की सहायता से वीडियोग्राफी फोटोग्राफी करते हुए गवाहों के समक्ष बेगो को बाथरुम से निकालकर प्लेटफार्म में रखा तथा गवाहो के समक्ष तीनों बेगो की चैन खोलकर देखने पर तीन बैग में सेलो टेप से चिपकाए हुए पैकेट दिखाई दिएं। जिसकी जांच किए जाने पर तेज गंध वाला मादक पदार्थ गांजा जैसा पदार्थ होना सामने आया। जिस पर श्वान दस्ते के उप निरीक्षक ओमप्रकाश बोरेवार को घटनास्थल पर बुलाया गया व स्वान लूसी द्वारा अम्लीय पदार्थ शोधक जांच करने के पश्चात पाया गया कि इसमें मादक पदार्थ गांजा है। जिसमें कुल वजन 28 किलो 720 ग्राम तथा जिसकी अंदाजन कीमत 287200 हैं। उपरोक्त मामले में जब्ती पंचनामा कर आगे की कार्रवाई के लिए गोंदिया रेलवे पुलिस को मामला सौंपा गया है तथा अज्ञात आरोपी के खिलाफ इस मामले में धारा 8 (सी) 20 (बी), (2), (सी) एन डी पी एस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

१७६ करोड़ की जलापूर्ति योजना अंतिम चरण में

विधायक अग्रवाल का सफल प्रयास

बुलंद गोंदिया - गोंदिया तहसील में पिछले दो दशक से अधिक समय से पीने के शुद्ध जल के संकट से गुजर रहे ग्रामों को इस समस्या से निजात दिलाने विधायक विनोद अग्रवाल सतत प्रयासरत रहे है। उनका संकल्प है कि हर-घर नल और हर-घर पीने का शुद्ध जल ग्रामीण नागरिकों को प्राप्त हो। इस हेतु उन्होंने जो कड़ा संघर्ष जारी रखा, उसपर उन्हें सफलता प्राप्त हुई है।

हाल ही में महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण अंतर्गत प्रादेशिक जलापूर्ति योजना के तहत 176 करोड़ रुपये की राशि गोंदिया तहसील हेतु प्रस्तावित की गई है, जो प्रशासकीय मंजूरी हेतु अंतिम चरण पर है। ये एक महत्वकांक्षी जलापूर्ति योजना है जो आगे के 30 साल तक बढ़ती जनसंख्या को देखकर बनाई गई है।

176 करोड़ ऊपयों की इस

प्रादेशिक जलापूर्ति योजना को पूर्णत: नए स्वरुप में तैयार किया जाएगा। गोंदिया तहसील के अनेक गाँव आज भी शुद्ध जल के संकट से गुजर रहे है। कई गाँव में महज खानापूर्ति के लिए चलाई गई। जलापूर्ति योजना आज दम तोड़कर शो-पीस बनी हुई है। मेरा संकल्प था कि मैं हर गाँव में हर-घर नल और घर घर पीने का शुद्ध जल पहुँचाने का प्रयास करु। आज हमनें जो प्रयास किये वो सफलता की ओर है।

उन्होंने आगे कहा, इस जलापूर्ति योजना को साकार करने धापेवाड़ा सिंचन योजना से अलग पाइप लाइन बिछाई जाएगी। तहसील के फुलचुर, फुलचुर टोला, पिंडकेपार, मुर्री, कारंजा सहित 39 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले करीब 106 गाँव को इस योजना का लाभ मिलेगा।

वर्तमान में 1 लाख 55 हजार की जनसंख्या को इसका लाभ होगा, योजना को करीब 2 लाख 28 हजार की जनसंख्या क्षमता के अनुसार तैयार किया जा रहा जो करीब 30 साल तक बेहतर तरीके से शुद्ध जल की आपूर्ति करेगी। इस योजना के तहत प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति 55 लिटर पीने का शुद्ध जल मिलेगा। विधायक अग्रवाल ने कहा वर्ष 2023 के भीतर इस जलापूर्ति योजना का लाभ ग्रामीण जनता को प्राप्त इस हेतु हम संकल्पित है।

39 ग्राम पंचायतों को मिलेगा लाभ

फुलचुर, फुलचुरटोला, पिंडकेपार, नंगपुरा मुर्री, कारंजा, डांगोर्ली, दासगांव खुर्द, दासगांव बुजुर्ग, गिरोला, लोहारा, निलज, पांढराबोडी, कामठा, रावनवाड़ी, सावरी, परसवाड़ा, सिरपुरटोला, मुंडीपार, आसोली, तांडा, अदासी, खमारी, तुमखेड़ा खुर्द, चुलोद, टेंभनी, मुंडीपार, ढाकनी, बटाना, एकोडी, घिवारी, डोंगरगांव, हिवरा, मजितपुर, टेढ़वा, गर्रा बु., नागरा, चुटिया, बघोली, गंगाझरी एवं मुरपार का समावेश हैं।

गोंदिया नप को मिलेंगी ७७.४९ लाख की निधि

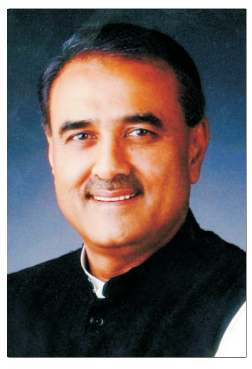

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के विकास कामों के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध करवाकर देने की मांग पालक मंत्री नवाब मलिक व जिला प्रशासन द्वारा सांसद प्रफुल्ल पटेल से की थी। इस दौरान महाराष्ट्र नगरोत्थान महाअभियान अंतर्गत 903.19 लाख की निधि मंजूर की गई जिसमें से गोंदिया नगर परिषद द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव के अनुसार निधि दी जाए ऐसी मांग सांसद प्रफुल्ल पटेल द्वारा की गई थी। जिस पर जिला प्रशासन द्वारा 103 लाख 33 हजार 110 रुपये निधि की प्रशासकीय मान्यता दी। जिसमें शासन द्वारा 75 प्रतिफ्त हिस्से में से 77.49 हजार 833 रुपये की निधि मंजूर की गई है। उपरोक्त राशि वर्ष 2022-23 वित्तीय वर्ष के कामों में खर्च की जाए, यह सूचना व 21 नियम व शर्तों के अधीन नगर परिषद प्रशासन को निधि वितरित किया जाए ऐसा निर्देश शासन द्वारा दिया गया। तथा आगामी समय में गोंदिया शहर के विकास कार्यों को गति मिलेंगी, ऐसा सांसद प्रफुल्ल पटेल के प्रयासों से सफल हुआ है।

गोंदिया में जल्द शुरु हो पासपोर्ट ऑफिस

विधायक विनोद अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरीजी से मिलकर की मांग

बुलंद गोंदिया - प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में पासपोर्ट ऑफिस खोलने के केंद्र सरकार के निर्णय के बावजूद गोंदिया-भंडारा संसदीय क्षेत्र में पासपोर्ट ऑफिस शुरु नही होने से नाराज गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी व विदेश मंत्री डॉ. सुब्रमण्यम जयशंकर को पत्र लिखकर पासपोर्ट ऑफिस शुरु करने की मांग की है।

विधायक विनोद अग्रवाल ने अपने पत्र में लिखा कि, गोंदिया में बढ़ती आबादी एवं संसदीय क्षेत्र में बड़ा शहर होने के बावजूद यहां पासपोर्ट ऑफिस नहीं है। यहां बिरसी विमानतल है जहां से यात्री विमानन सेवा भी शुरु होने जा रही है। विदेशों में नोकरी के लिए, व्यापार के लिए व अन्य कार्यो हेतु नागरिकों को जाना होता है जिसके लिए पासपोर्ट अनिवार्य है। परंतु गोंदिया में पासपोर्ट ऑफिस नहीं होने से नागरिकों को नागपुर पासपोर्ट ऑफिस जाना पड़ता है। नागपुर की दूरी 4 घँटे की होने से एवं बार-बार चक्कर काटने से समय के साथ खर्च भी उठाना पड़ता है। इससे नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता हैं। खासकर महिलाओं एवं बुजुर्ग को अधिक संकट से गुजरना पड़ता है। उन्होंने विदेश मंत्रालय से एवं केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी से मांग की कि, गोंदिया के पोस्ट ऑफिस कार्यालय में पासपोर्ट ऑफिस जल्द शुरु करवाकर नागरिकों को राहत प्रदान करें।

संपादकिय

दागी जनप्रतिनिधि

राजनीति के अपराधीकरण को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जा रही है और इस फिक्र को सार्वजनिक करने में देश की लगभग सभी पार्टियां आगे रहना चाहती हैं। लेकिन क्या व्यवहार में यही राजनीतिक दल इस बात के लिए सचेतन प्रयास करते हैं कि आपराधिक तत्वों का राजनीति में और खासतौर पर विधायिका में प्रवेश न हो? इसके उलट पिछले कई दशक इस बात के गवाह रहे हैं कि राजनीति में अपराधियों के बढ़ते दबदबे को एक गंभीर समस्या बताए जाने के बावजूद लगातार वैसे लोग जनप्रतिनिधि के तौर पर संसद और विधानसभाओं में अपनी जगह बनाते रहे हैं, जिनका अतीत आपराधिक घटनाओं में संलिप्त होने का रहा है।

सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों के शीघ्र निपटारे और विशेष अदालतों के गठन के मामले में अदालत की सहायता के लिए नियुक्त न्याय मित्र ने बीते हफ्ते उच्चतम न्यायालय को बताया कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की संख्या दो साल में 4,122 से बढ़ कर 4,984 हो गई है। इनमें 1,899 मामले पांच वर्ष से ज्यादा पुराने हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2018 तक कुल लंबित मामले 4,110 थे और अक्तूबर 2020 में ये 4,859 थे।

इससे साफ पता चलता है कि इस प्रवृत्ति की रोकथाम के दावों के बरक्स आपराधिक पृष्ठभूमि वाले काफी लोग अब भी संसद और विधानसभाओं की सीटों पर कब्जा कर रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि एक ओर सभी पार्टियां अपने प्रतिपक्षियों को इस बात के लिए कठघरे में खड़ा करती हैं कि उन्होंने आपराधिक अतीत या छवि वाले लोगों को टिकट देकर समस्या को जटिल बनाया है, जबकि अक्सर मौका मिलने पर ऐसा करने में वे खुद भी पीछे नहीं रहती हैं। यह बेवजह नहीं है कि आज संसद और विधानसभाओं में ऐसे लोग जनता के नुमाइंदे बन कर बैठे हैं, जिनके अपराधों से आम लोग कभी परेशान रहे होते हैं।

हर अपराध के खिलाफ बढ़-चढ़ कर बोलने और अपराधियों पर लगाम लगाने का दावा करने वाली पार्टियां आखिर किन वजहों से ऐसा कर पाती हैं? क्या इसके पीछे एक बड़ा कारण यह नहीं है कि उन्हें न केवल आपराधिक छवि वाले लोगों से पार्टी का कोष मजबूत करने में मदद मिलती है, बल्कि उनके इलाके में भय पर आधारित समर्थन भी हासिल होता है? इसका एक मतलब यह भी हो सकता है कि राजनीतिक दल अपराधियों के प्रभाव वाले इलाकों में जनता के बीच अपने सिद्धांतों, विचारों के जरिए लोगों के बीच अपने लिए समर्थन हासिल करने में नाकाम होते हैं और इसलिए उन्हें वोट हासिल करने का यह आसान रास्ता दिखाई देता है।

सवाल है कि देश की नियति तय करने वाली राजनीतिक पार्टियों के ऐसे रुख की वजह से राजनीति के अपराधीकरण का जो खमियाजा आम जनता को उठाना पड़ता है, समूचे शासन का स्वरूप प्रभावित होता है, उसकी जिम्मेदारी किस पर आती है? मसले की जटिलता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सार्वजनिक रुप से चिंता जताए जाने के साथ-साथ सांसदों-विधायकों के खिलाफ मामलों के निपटारे के लिए कुछ राज्यों में विशेष अदालतों के गठन किए जाने और कुछ अन्य राज्यों में संबद्ध क्षेत्राधिकार की अदालतों में सुनवाई के बावजूद दागी नुमाइंदों की तादाद संसद और विधानसभाओं में बढ़ी ही है।

एक मुश्किल यह भी है कि ऐसे मामलों की सुनवाई करने वाली अदालतों के पास कई स्तरों पर कुछ बुनियादी सुविधाओं का अभाव है और इस बारे में अब तक केंद्र सरकार की ओर कोई ठोस पहल नहीं हुई है। जाहिर है, इस समस्या से निपटने के लिए अदालतों में तेजी से सुनवाई के साथ-साथ सिर्फ दिखावे के वादों और दावों के बरक्स सभी पार्टियों को अपने स्तर पर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को चुनावों में उम्मीदवार बनाने से बचना होगा।

हिजाब की आड़ में

अचानक ऐसा क्या हो गया कि बीजेपी विधायक की अगुआई में चलने वाले उस कॉलेज में मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने से रोकने का नियम लागू करना अनिवार्य हो गया? फिर यह सवाल भी है कि जो विवाद कुछ लड़कियों और कॉलेज प्रशासन के बीच था, उसने राजनीतिक रंग कैसे ले लिया?

कर्नाटक के उडुपी में हिजाब पहनने को लेकर शुरु हुआ विवाद बढ़ते हुए यहां तक पहुंच गया कि मंगलवार को राज्य भर के स्कूल, कॉलेज तीन दिनों के लिए बंद करने पड़े। विवाद पिछले महीने तब शुरु हुआ, जब उडुपी के एक कॉलेज में छह लड़कियों को अंदर जाने से इस आधार पर रोक दिया गया कि वे हिजाब पहने हुए हैं। विवाद में अगला मोड़ तब आया, जब कुछ लड़के भगवा गमछा डालकर आ गए। उनका कहना था कि अगर लड़कियों को हिजाब पहनने दिया गया तो हम भी भगवा गमछा डालेंगे। इसके बाद यह मामला आसपास के इलाकों में भी फैल गया और तनाव बढ़ने लगा। बहरहाल, ध्यान देने की बात है कि एक शहर के एक कॉलेज का छोटा सा मामला जो थोड़ी सी समझदारी से सुलझाया जा सकता था, न केवल एक महीने तक जारी रहा बल्कि फैलते हुए पूरे राज्य में इतने बड़े बवाल का कारण बन गया। इस मामले पर अब न केवल हाईकोर्ट सुनवाई कर रहा है बल्कि राज्य सरकार भी नियम-कानूनों का हवाला दे रही है, लेकिन कुछ समय पहले तक उस पूरे इलाके में तो क्या उस कॉलेज में भी हिजाब को लेकर कोई विवाद नहीं था। अचानक ऐसा क्या हो गया कि बीजेपी विधायक की अगुआई में चलने वाले उस कॉलेज में मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने से रोकने का नियम लागू करना अनिवार्य हो गया? फिर यह सवाल भी है कि जो विवाद कुछ लड़कियों और कॉलेज प्रशासन के बीच था, उसने राजनीतिक रंग कैसे ले लिया?

साफ है कि यह विवाद जितना स्वत:स्फूर्त लगता है, उतना है नहीं। परदे के पीछे से इसमें राजनीति अहम भूमिका निभा रही है। इस इलाके में बीजेपी और पॉप्युलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रैटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के बीच चलने वाली रस्साकशी ही इस विवाद के मूल में है। हिजाब के समर्थन और विरोध में प्रदर्शन करे रहे लड़के-लड़कियों को एसडीपीआई की स्टूडेंट विंग सीएफआई और बीजेपी की स्टूडेंट विंग एबीवीपी का समर्थन हासिल है। मगर दोनों के बीच राजनीतिक वर्चस्व की इस लड़ाई का नतीजा यह हुआ है कि जिन बच्चों को आपस में मिल-जुलकर पढ़ाई पर ध्यान लगाना चाहिए था वे पहनावे के आधार पर एक-दूसरे को अपने विरोधी और दुश्मन की तरह देख रहे हैं। यह स्थिति न केवल शैक्षिक सत्र के लिए नुकसानदेह है बल्कि स्कूल-कॉलेजों के माहौल को लंबे समय तक के लिए दूषित कर सकती है। हालांकि मामला कोर्ट में भी है और जैसा कि हाईकोर्ट ने कहा है, इसके कानूनी पहलुओं पर बड़ी बेंच सुनवाई करेगी, लेकिन इस बीच सरकार और कॉलेज प्रशासन को अपने स्तर पर मामला जल्द से जल्द सुलझाने की कोशिश जरुर करनी चाहिए।

हिजाब पर हंगामा

बेवजह के विवादों का दावानल बन जाना इन दिनों नई बात नहीं है। ऐसा ही एक विवाद कर्नाटक उच्च न्यायालय के सामने था। राज्य के स्कूलों में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने पर लगी पाबंदी का मुद्दा पिछले कुछ दिनों से देश की बहुत सारी ऊर्जा सोख रहा है। आंदोलन हो रहे हैं, नफरत फैल या फैलाई जा रही है, समाज में तनाव बढ़ रहा है और इसकी आग अब देश भर में फैलती हुई दिख रही है। देश के दूसरे हिस्सों से भी विरोध प्रदर्शन की खबरें आ रही हैं। इस बीच महिलाओं के अधिकार से लेकर समाज सुधार जैसे कई तर्क इससे जोड़ दिए गए हैं। इसलिए जब यह मामला उच्च न्यायालय के सामने आया, तो अदालत ने उन जटिलताओं को भी समझा, जो इससे जोड़ दी गई हैं और इसकी संवेदनशीलता को भी ध्यान में रखा। न्यायालय को यह एहसास था कि इस मामले में उसके फैसले के परिणाम बहुत दूरगामी हो सकते हैं। इसलिए मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश ने कहा कि इस मुद्दे की सुनवाई अदालत की बड़ी पीठ द्वारा की जानी चाहिए। राज्य के उडुपी जिले की लड़कियों ने अदालत में यह याचिका दायर की थी कि इस मामले में उन्हें अंतरिम राहत दी जाए, लेकिन न्यायाधीश ने अंतरिम राहत का फैसला भी बड़ी पीठ के ऊपर ही छोड़ दिया। पिछले कुछ दिनों में यह विवाद इतना बड़ा हो गया है कि कर्नाटक सरकार को पूरे प्रदेश के स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी है। हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं कि जब स्कूल-कॉलेज दोबारा खुलेंगे, तब तनाव फिर से न दिखाई दे। पूरे मामले को जिस तरह से सांप्रदायिक रंग दिया गया है और जिस तरह से इस बहाने एक धर्म के लोगों को दूसरे धर्म के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश की जा रही है, उसमें बात सतही फैसलों से बनने वाली भी नहीं है। अब मामला यह नहीं है कि बात कहां से शुरु हुई थी, अब समस्या इसे लेकर शुरु हुई राजनीति है, जो समाज की पुरानी जटिलताओं के बारे में फैसला सड़कों पर कर लेना चाहती है।

हिजाब या परदे को लेकर हमारे देश में कई समाज सुधारकों ने बहुत से गंभीर प्रयास किए हैं, इसके लिए लंबी लड़ाइयां भी लड़ी गई हैं। इनमें बहुत सारी लड़ाइयों में सफलताएं भी मिली हैं, बहुसंख्यकों में भी और अल्पसंख्यकों में भी। सच तो यह है कि ऐसे ही प्रयासों के कारण लड़कियां और महिलाएं घर की दहलीज से बाहर निकली हैं और अब वे पढ़ाई ही नहीं कर रहीं, बल्कि जीवन के तकरीबन सभी क्षेत्रों में सक्रिय दिखाई देती हैं। यह भी कहा जाता है कि वे घर से निकली हैं, इसीलिए परदा भी खत्म हुआ और उसके तर्क भी। यह ठीक है कि परदा अभी भी कई रूपों में मौजूद है, अधिकतर परंपराओं के कारण है और कुछ जगहों पर कट्टरता के कारण भी। जैसे-जैसे लड़कियां घरों से निकलेंगी, ये आग्रह भी खत्म होंगे ही। वैसे भी, परदा प्रथा को खत्म करने का मामला समाज सुधार का मामला है, राजनीति का नहीं। अगर किसी को जबरदस्ती परदा थोपने की इजाजत नहीं दी जा सकती, तो किसी को जबरन परदा हटाने की इजाजत भी नहीं दी जा सकती। अच्छा होगा, हम लड़कियों को खूब पढ़ाएं और अपने परदे का फैसला उनके विवेक पर ही छोड़ दें। लेकिन अभी तो जो हो रहा है, वह उनमें से कुछ के पढ़ने के रास्ते ही बंद कर सकता है।

जो हमेशा मेरे साथ था, वो हाथ मुझसे छूट गया,
जिसकी लोरिया सुनकर मैं सोती थी, वही मुझसे रुठ गया,
जिसने जीवन दिया, वो खुद जीवन से रुठ गया,
हंसाने का वादा करके, आखों में बस आंसू दे गया,
वो हस्ता चेहरा, न जाने कहां छोड़ गया...
तू आगे बढ़, तू आगे बढ़ कह कह कर खुद पीछे हो गया,
हर वक्त जो मेरा सहारा था, वो सहारा कहीं खो गया,
चेहरे पर तो हसीं रहती है, खुशियां अपने साथ ले गया,

दुनिया के सामने जिंदा पुतले है, पर जान साथ ले गया,
और वो चेहरा, मेरा सुकून कही गुम कर गया,
हमेशा ईश्वर के सामने रोती हूं, पर वो जिम्मेदारी दे गया,
वो चेहरा, मेरी जिंदगी अपने साथ कहीं ले गया...

- रिया गाजीपुरे, गोंदिया

संत रविदास

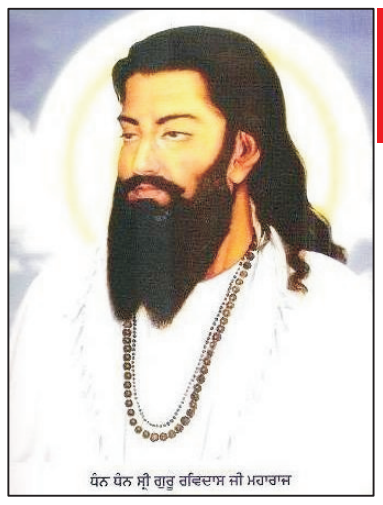

सतगुरु रविदास जी भारत के उन महापुरुषों में से एक हैं जिन्होंने अपने आध्यात्मिक वचनों से सारे संसार को आत्मज्ञान, एकता, भाईचारा पर जोर दिया। जगतगुरु रविदास जी की अनूप महिमा को देख कई राजा और रानियाँ इनकी शरण में आकर भक्ति मार्ग से जुड़े। जीवन भर समाज में फैली कुरीति जैसे जात-पात के अन्त के लिए काम किया। रविदास जी के सेवक इनको सतगुरु, जगतगुरु आदि नामों से सत्कार करते हैं। रविदास जी की दया दृष्टि से करोड़ों लोगों का उद्धार किया।

जीवन

गुरु रविदास (रैदास) का जन्म काशी में माघ पूर्णिमा दिन रविवार को संवत 1433 को हुआ था। उनके जन्म के बारे में एक दोहा प्रचलित है। चौदह से तैंतीस कि माघ सुदी पन्दरास। दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री रविदास। उनके पिता रग्घु तथा माता का नाम घुरविनिया था। उनकी पत्नी का नाम लोना बताया जाता है। रैदास ने साधु-सन्तों की संगति से पर्याप्त व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया था। वे जूते बनाने का काम किया करते थे और ये उनका व्यवसाय था और अपना काम पूरी लगन तथा परिश्रम से करते थे और समय से काम को पूरा करने पर बहुत ध्यान देते थे। संत रामानन्द के शिष्य बनकर उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित किया। संत रविदास जी ने स्वामी रामानंद जी को कबीर साहेब जी के कहने पर गुरु बनाया था, जबकि उनके वास्तविक आध्यात्मिक गुरु कबीर साहेब जी ही थे। उनकी समयानुपालन की प्रवृति तथा मधुर व्यवहार के कारण उनके सम्पर्क में आने वाले लोग भी बहुत प्रसन्न रहते थे। प्रारम्भ से ही रविदास जी बहुत परोपकारी तथा दयालु थे और दूसरों की सहायता करना उनका स्वभाव बन गया था। साधु-सन्तों की सहायता करने में उनको विशेष आनन्द मिलता था। वे उन्हें प्राय: मूल्य लिये बिना जूते भेंट कर दिया करते थे। उनके स्वभाव के कारण उनके माता-पिता उनसे अप्रसन्न रहते थे। कुछ समय बाद उन्होंने रविदास तथा उनकी पत्नी को अपने घर से भगा दिया। रविदास पड़ोस में ही अपने लिए एक अलग इमारत बनाकर तत्परता से अपने व्यवसाय का काम करते थे और शेष समय ईश्वर-भजन तथा साधु-सन्तों के सत्संग में व्यतीत करते थे।

स्वभाव

उनके जीवन की छोटी-छोटी घटनाओं से समय तथा वचन के पालन सम्बन्धी उनके गुणों का पता चलता है। एक बार एक पर्व के अवसर पर पड़ोस के लोग गंगा-स्नान के लिए जा रहे थे। रैदास के शिष्यों में से एक ने उनसे भी चलने का आग्रह किया तो वे बोले, गंगा-स्नान के लिए मैं अवश्य चलता किन्तु। गंगा स्नान के लिए जाने पर मन यहाँ लगा रहेगा तो पुण्य कैसे प्राप्त होगा? मन जो काम करने के लिए अन्त:करण से तैयार हो वही काम करना उचित है। मन सही है तो इसे कठौते के जल में ही गंगास्नान का पुण्य प्राप्त हो सकता है। कहा जाता है कि इस प्रकार के व्यवहार के बाद से ही कहावत - मन चंगा तो कठौती में गंगा प्रचलित हो गयी।

रैदास ने ऊँच-नीच की भावना तथा ईश्वर-भक्ति के नाम पर किये जाने वाले विवाद को सारहीन तथा निरर्थक बताया और सबको परस्पर मिलजुल कर प्रेमपूर्वक रहने का उपदेश दिया।

वे स्वयं मधुर तथा भक्तिपूर्ण भजनों की रचना करते थे और उन्हें भाव-विभोर होकर सुनाते थे। उनका विश्वास था कि राम, कृष्ण, करीम, राघव आदि सब एक ही परमेश्वर के विविध नाम हैं। वेद, कुरान, पुराण आदि ग्रन्थों में एक ही परमेश्वर का गुणगान किया गया है।

कृस्न, करीम, राम, हरि, राघव, जब लग एक न पेखा।
वेद कतेब कुरान, पुरानन, सहज एक नहिं देखा।।
चारो वेद के करे खंडौती । जन रैदास करे दंडौती।।

उनका विश्वास था कि ईश्वर की भक्ति के लिए सदाचार, परहित-भावना तथा सद्व्यवहार का पालन करना अत्यावश्यक है। अभिमान त्याग कर दूसरों के साथ व्यवहार करने और विनम्रता तथा शिष्टता के गुणों का विकास करने पर उन्होंने बहुत बल दिया। अपने भजन में उन्होंने कहा है-

कह रैदास तेरी भगति दूरि है, भाग बड़े सो पावै।
तजि अभिमान मेटि आपा पर, पिपिलक हवै चुनि खावै।।

उनके विचारों का आशय यही है कि ईश्वर की भक्ति बड़े भाग्य से प्राप्त होती है। अभिमान शून्य रहकर काम करने वाला व्यक्ति जीवन में सफल रहता है जैसे कि विशालकाय हाथी शक्कर के कणों को चुनने में असमर्थ रहता है जबकि लघु शरीर की पिपीलिका (चींटी) इन कणों को सरलतापूर्वक चुन लेती है। इसी प्रकार अभिमान तथा बड़प्पन का भाव त्याग कर विनम्रतापूर्वक आचरण करने वाला मनुष्य ही ईश्वर का भक्त हो सकता है।

रैदास की वाणी भक्ति की सच्ची भावना, समाज के व्यापक हित की कामना तथा मानव प्रेम से ओत-प्रोत होती थी। इसलिए उसका श्रोताओं के मन पर गहरा प्रभाव पड़ता था। उनके भजनों तथा उपदेशों से लोगों को ऐसी शिक्षा मिलती थी जिससे उनकी शंकाओं का सन्तोषजनक समाधान हो जाता था और लोग स्वत: उनके अनुयायी बन जाते थे।

उनकी वाणी का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा कि समाज के सभी वर्गो के लोग उनके प्रति श्रद्धालु बन गये। कहा जाता है कि मीराबाई उनकी भक्ति-भावना से बहुत प्रभावित हुई और उनकी शिष्या बन गयी थीं।

वर्णाश्रम अभिमान तजि, पद रज बंदहिजासु की।
सन्देह-ग्रन्थि खण्डन-निपन, बानि विमुल रैदास की।।

आज भी सन्त रैदास के उपदेश समाज के कल्याण तथा उत्थान के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अपने आचरण तथा व्यवहार से यह प्रमाणित कर दिया है कि मनुष्य अपने जन्म तथा व्यवसाय के आधार पर महान नहीं होता है। विचारों की श्रेष्ठता, समाज के हित की भावना से प्रेरित कार्य तथा सद्व्यवहार जैसे गुण ही मनुष्य को महान बनाने में सहायक होते हैं। इन्हीं गुणों के कारण सन्त रैदास को अपने समय के समाज में अत्यधिक सम्मान मिला और इसी कारण आज भी लोग इन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं।

रैदास के 40 पद गुरु ग्रन्थ साहब में मिलते हैं जिसका सम्पादन गुरु अर्जुन साहिब ने 16 वीं सदी में किया था ।

सतगुरु रविदास जी के पद : अब कै रैदासा।

जाति-जाति में जाति हैं, जो केतन के पात।
रैदास मनुष ना जुड़ सके जब तक जाति न जात।।
मन चंगा तो कठौती में गंगा
तुम कहियत हो जगत गुर स्वामी।
हम कहियत हैं कलयुग के कामी।।
मन ही पूजा मन ही धूप ।
मन ही सेऊँ सहज सरुप।।
ऐसा चाहूं राज मैं मिले सबन को अन्न।
छोट-बड़ो सब सम बसे, रविदास रहे प्रसन्न।।

गुरु रविदास जयंती

माघ महीने में पूर्णिमा (माघ पूर्णिमा) के दिन पर मनाया जाने वाला गुरु रविदास का जन्मदिवस है। यह रैदास पंथ धर्म का वार्षिक केंद्र बिंदु है। जिस दिन अमृतवाणी गुरु रविदास जी को पढ़ी जाती है, और गुरु के चित्र के साथ नगर में एक संगीत कीर्तन जुलूस निकाला जाता है। इसके अलावा श्रद्धालु पूजन करने के लिए नदी में पवित्र डुबकी लगाते हैं, उसके बाद भवन में लगी उनकी छवि पूजी जाती है। हर साल, श्री गुरु रविदास जन्म स्थान मंदिर, सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी में एक भव्य उत्सव के अवसर पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालुओं आते है। यह त्यौहार 2022 को फरवरी माह की 16 तारीख को मनाई जायेगी।

रविदास के जन्म को रविदास जयंती के रुप में मनाया जाता है। जातिवाद और आध्यात्मिकता के खिलाफ काम करने के कारण रविदास पूजनीय हैं। वह एक आध्यात्मिक व्यक्ति थे। इस दिन, उनके अनुयायी पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। फिर, वे अपने जीवन से जुड़ी महान घटनाओं और चमत्कारों को याद करके अपने गुरु रविदास जी से प्रेरणा लेते हैं। उनके भक्त उनके जन्म स्थान पर जाते हैं और रविदास जयंती पर उनका जन्मदिन मनाते हैं।

रविदास जयंती, रविदास जी के जन्म का प्रतीक है। रविदास जी जाति प्रथा के उन्मूलन में प्रयास करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भक्ति आंदोलन में भी योगदान दिया है, और कबीर जी के अच्छे दोस्त के रुप में पहचाने जाते हैं। रैदास पंथ का पालन करने वाले लोगों में रविदास जयंती का एक विशेष महत्व है, इसमे न केवल रविदास जी का अनुसरण करने वाले लोग, बल्कि अन्य लोग जो किसी भी तरह से रविदास जी का सम्मान करते हैं, जैसे कुछ कबीरपंथियों, सिखों और अन्य गुरुओं के अनुयायी, भी शामिल हैं।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : धन संबंधित मामलों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, जल्द ही कोई आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। घर के कामों में मदद करने के आपके स्वभाव की सभी तारीफ करेंगे। अपनी पसंदीदा चीजों पर खर्चा करना संतोषजनक साबित होगा। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अधिकांश शारीरिक बीमारियों को दूर रखने में मददगार साबित होगा।

वृषभ : कार्यक्षेत्र पर अपने अधिकारों को बांटना काम करने का सही तरीका साबित होगा जिसके चलते आप पर काम का बोझ कुछ कम होगा। इस सप्ताह खुशखबरी आपका इंतजार कर रही है। शेयर मार्केट में खोया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। सरप्राइज गिफ्ट और कैंडल लाइट डिनर से अपने साथी को प्रभावित करेंगे।

मिथुन : किसी खानदानी विरासत के मिलने में समय लग सकता है, इसलिए खुद पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों के लिए समय थोड़ा कठिन चल रहा है। नवविवाहित जोड़े एक-दूसरे के साथ समय बिताकर अच्छा महसूस करेंगे। यात्रओं के योग बन रहे हैं। मनपसंद जगह घूमने का मौका मिल सकता है।

कर्क : समाज में आपके द्वारा किए गए प्रयासों की सभी सराहना करेंगे जिसके चलते आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और पहचान मिलेगी। सैलरी में बढ़ोतरी के आपके अनुरोध को सहानुभूति के सुना जा सकता है। किसी को उधार दिया हुआ पैसा तुरंत वापस मिल जाएगा। पुराने दोस्तों से मिलकर और पुरानी यादें ताजा होंगी।

सिंह : किसी विशेष व्यक्ति से विदेश जाकर मिलने की इच्छा जल्दी ही पूरी होने की संभावना है। इस सप्ताह आप में से कुछ लोग प्रोफेशनली खुद को बेड़ियों में जकड़ा हुआ और असहाय महसूस कर सकते हैं। किसी लोन को पास कराने में आ रहीं समस्याओं के चलते लोन का विचार छोड़ने की सोच सकते हैं। विवेकपूर्ण तरीकों से खर्च करने की आवश्यकता है।

कन्या : कार्यक्षेत्र पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उच्च अधिकारियों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे। किसी सामाजिक काम के लिए पैसों का इंतजाम करने में मेहनत करनी पड़ सकती है। प्रॉपर्टी विवाद की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि आप समय रहते ही इस समस्या का सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान ढूंढने की कोशिश करें।

तुला : इस सप्ताह धन संबंधित चली आ रही समस्या को सुलझने के लिए समय देने की आवश्यकता होगी। थकान के चलते सुस्ती महसूस कर सकते हैं। आपका साथी इस सप्ताह कुछ समय अकेले रहना चाहते हैं, इसलिए उसकी भावनाओं का सम्मान करें। पढ़ाई में आपसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

वृश्चिक : यात्रओं पर जाने के योग बन रहे हैं। शहर से बाहर परिवार के साथ किसी यात्र पर जाना मजेदार साबित होगा। कुछ खास हासिल करने का लक्ष्य रखने वालों को कोई नहीं रोक सकता। रोमांस के लिए ये सप्ताह संतोषजनक साबित होगा। अपने साथी के कैंडल लाइट डिनर पर जाकर रोमांचित महसूस करेंगे।

धनु : प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, अपने साथी के साथ समय बिताना और गिफ्ट देना संतोषजनक साबित होगा। विदेश यात्र पर जाना मजेदार साबित होगा। रियल स्टेट से जुड़े लोग किसी अच्छी डील को करने में कामयाब होंगे। घर पर कुछ बदलावों के करने के आपके सुझव का सभी लोग स्वागत करेंगे।

मकर : इस सप्ताह समाज में आपकी लोकप्रियता काफी बढ़ सकती है। करियर के लिए यह सप्ताह काफी उत्कृष्ट साबित होगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की संभावना है। एक-दूसरे के साथ समय बिताने से साथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपके शुभचिंतक आपका सहयोग करेंगे।

कुंभ : धनलाभ के योग बन रहे हैं। कुछ समय पहले शुरु किए गए किसी व्यवसाय से लाभ मिलने की संभावना है। आप किसी ऐसे व्यक्ति का सही मार्गदर्शन करने में सफल होंगे, जो आप पर पूरा विश्वास कर रहा है। किसी पार्टी या समारोह के निमंत्रण से आपको लोगों से मिलने और अपने व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है।

मीन : यात्रओं से अच्छा व्यापार मिलने की संभावना है। इस सप्ताह आर्थिक रुप से आप खुद को बेहतर स्थिति में पाएंगे। अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट में निवेश करने की योजना बना सकते हैं। घर का माहौल शांत और खुशनुमा रहेगा। दोस्तों और करीबियों के आपके घर आने से घर की रौनक बढ़ेगी। प्रेम संबंधों को लेकर ये सप्ताह संतोषजनक रहेगा।

मिठाई कारखाने से फैल रहा प्रदूषण व गंदगी

नागरिकों ने बंद करने की मांग, जिलाधिकारी को दिया निवेदन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के लोहिया वार्ड तिरोड़ा मार्ग पर विजय मेडिकल के पीछे गत तीन से चार महीनों से शुरु मिठाई कारखाने से परिसर में प्रदूषण व गंदगी फैल रही है। जिससे परिसर में बीमारियों की संभावना को देखते हुए सैकड़ों नागरिकों द्वारा जिलाधिकारी को निवेदन देकर उपरोक्त कारखाना बंद करने की मांग की है।

गौरतलब है कि लोहिया वार्ड क्रमांक 11 में तिरोड़ा रोड विजय मेडिकल के पीछे दीपावली से एक मिठाई बनाने का कारखाना शुरु किया गया है। उपरोक्त कारखाना रिंग रोड स्थित होटल शालीमार का बताया गया है। जहां मिठाई व नमकीन बनाने के लिए उपयोग में आने वाले दूध, दही, पनीर, शक्कर, बेसन, रवा, मैदा, आटा का उपयोग किया जाता है, तथा उसके निर्माण के पश्चात शेष पदार्थ व खराब मटेरियल आसपास की नालियों में डाला जा रहा है। जिसमें परिसर में सूअर व कुत्ते बड़ी संख्या में जमा होकर गंदगी फैला रहे हैं। जिससे प्रदूषण फैलने के साथ ही गंभीर बीमारियों होने का खतरा हो गया। जिससे आसपास के रहने वाले नागरिकों के स्वास्थ्य पर विपरीत परिणाम होने लगा है। इस भारी गंदगी व बदबू के चलते परिसर के नागरिकों को अपने घरों के दरवाजे खिड़की बंद करके रखना पड़ रहा है। इस संदर्भ में 22 नवंबर 2021 को जिलाधिकारी गोंदिया को लिखित में शिकायत देकर उपरोक्त कारखाने पर कार्रवाई कर बंद करने की मांग नागरिकों द्वारा की गई है। किंतु प्रशासन द्वारा अब तक इस और अनदेखी की गई है परिसर के नागरिकों द्वारा संदेह व्यक्त किया गया कि उपरोक्त कारखाना निवासी क्षेत्र में निर्माण किया गया है जिसमें परिसर के नागरिकों से ना हरकत प्रमाणपत्र भी नहीं लिया गया है तथा संबंधित विभागों का मंजूरी भी नहीं है।

इस मामले की शिकायत नगराध्यक्ष गोंदिया, मुख्यधिकारी नगर परिषद गोंदिया, उपविभागीय अधिकारी गोंदिया, अधीक्षक अन्न व औषध गोंदिया, पार्षद हेमलता पतेह, धर्मेश अग्रवाल को भी दी गई है। लेकिन 3 महीने के कालावधी होने के बावजूद भी किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने से इस पर नागरिकों को संदेह निर्माण हो रहा है तथा नागरिकों ने मांग की है कि इस विषय पर प्रशासन द्वारा जल्द से जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

चलो आओ सब मिलकर करें सारस का संवर्धन - राजेश खवले

साइकिल संडे ग्रुप का सारस संरक्षण अभियान

बुलंद गोंदिया - सारस पक्षी यह गोंदिया जिले का वैभव है तथा किसानों का सच्चा मित्र है, साथ ही प्रेम का प्रतीक है। गोंदिया जिले में यह दुर्लभ पक्षी पाया जाता है, जिसका संरक्षण व संवर्धन जिले के प्रत्येक नागरिक ने करना चाहिए तथा इसके लिए वह आगे आकर सारस संरक्षण का प्रण लें। ऐसा प्रभारी जिलाधिकारी राजेश खवले द्वारा संडे साइकिल ग्रुप द्वारा शुरु किए गए सारस संवर्धन जनजागृति अभियान के अवसर पर कहा।

गौरतलब है कि संपूर्ण महाराष्ट्र में सिर्फ गोंदिया जिले में ही प्रेम का प्रतीक दुर्लभ सारस पक्षी प्रमुखता से पाया जाता है तथा सारस के दर्शन करने के लिए वर्ष भर पर्यावरण प्रेमी व पक्षी प्रेमी गोंदिया आते हैं। किंतु अब धीरे-धीरे यह विलुप्त होने की कगार पर पहुंच रहा है।। जिसके संरक्षण के लिए प्रशासन द्वारा भी विशेष अभियान चलाकर उन्हें संरक्षित किया जा रहा है। इसके साथ ही गोंदिया साइकिल संडे ग्रुप द्वारा सारस पक्षी के संवर्धन के लिए साइकिल रैली द्वारा गोंदिया से डोंगरगढ़ तक 80 किलोमीटर की यात्रा 13 फरवरी को पर्यावरण बचाओ का संदेश देने के साथ ही सारस संरक्षण का भी संदेश देने साइकिल संडे ग्रुप द्वारा सारस संरक्षण व संवर्धन अभियान शुरु किया है। इसके लिए 12 फरवरी को जिलाधिकारी कार्यालय गोंदिया में सारस संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया था।

इस अवसर पर प्रभारी जिलाधिकारी राजेश खवले द्वारा अपने संबोधन में कहा कि सारस पक्षी यह दुर्लभ पक्षी है तथा किसानों का मित्र होने के साथ-साथ यह प्रेम का प्रतीक भी है। उन्होंने किसानों से आव्हान किया कि जहां इन सारस पक्षियों का अधिवास है, वहां किसान अपने खेत में रासायनिक कीटनाशक का उपयोग ना करें तथा सारस पक्षी के संवर्धन की जवाबदारी अपनी सब की है। इस अवसर पर उन्होंने सारस पक्षी के संवर्धन की शपथ लेकर आओ चलो सब मिलकर करें इसका संवर्धन ऐसा आहवान भी किया।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे, साइकिलिंग संडे ग्रुप के रवि सपटे, मंजू कटारे, विजय येडे, साहिल खतवानी, शिवम पटले, अजीत शेनमारे, पीयूष हेरोडे, पुरुषोत्तम मोदी, राकेश पेंढारकर, हितेश चौधरी, दीपाली वाढई, भारती लाडे, वैशाली भंडारकर, श्रद्धा यादव, उमेश वाधवानी, नितिन कोल्हेटकर, शिव भंडारकर, भूमि वेगड, निखिल बाहेकार, दीपक गाडेकर, कल्याणी गाडेकर, नीलेश कावळे, जितेंद्र खरवडे, हितेंद्र खरवडे, करिश्मा भोजवानी, सरोज कटरे, राज तुरकर, आशीष पटले, स्वाति जैन, पूर्वा अग्रवाल, श्रद्धा बनोटे, अऊण बनाटे और अशोक मेश्राम मौजूद थे।

७१ लाख ५० हजार गायत्री मंत्रों का सामूहिक जाप

बुलंद गोंदिया - गायत्री शक्तिपीठ केंद्र शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा दिए गए संकल्प के अनुसार जिला स्तर पर 51 लाख गायत्री मंत्र का जाप 1 जनवरी 2022 से बसंत पंचमी तक किया जाना था। जिसमें गोंदिया जिलास्तर गायत्री शक्तिपीठ में 71 लाख 50 हजार गायत्री मंत्रों का सामूहिक जप कर सभी गायत्री शक्तिपीठ में बसंत पंचमी का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ गोंदिया में सामूहिक साधना एवं बसंत पर्व का कार्यक्रम पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ उत्साह पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इसके पश्चात महाप्रसाद की व्यवस्था की गई।

जिलास्तर 71 लाख 50 हजार गायत्री मंत्रों का सामूहिक जप में गायत्री शक्तिपीठ गोंदिया ने 20.75 लाख मंत्र, गायत्री शक्तिपीठ गोरेगांव 15 लाख, गायत्री शक्तिपीठ ठानेगांव तिरोड़ा 13 लाख, गायत्री शक्तिपीठ आमगांव 5 लाख, गायत्री शक्तिपीठ सालेकसा 3 लाख, गायत्री ज्ञान मंदिर देवरी 3 लाख, गायत्री प्रज्ञा पीठ दासगांव 3 लाख, मोरगांव अर्जुनी 3 लाख, गायत्री प्रज्ञा पीठ मुंडीपार 1.25 लाख, प्रज्ञा मंडल पांढरी. सड़क अर्जुनी 1.50 लाख, गायत्री प्रज्ञा मंडल पांडराबोडी 2.25 लाख तथा गायत्री प्रज्ञा मंडल श्रीनगर ने 75 हजार मंत्रें का जप किया।

परीजनों द्वारा विभिन्न संकल्प भी उभरे

गायत्री शक्तिपीठ गोंदिया स्तर पर सोलर पावर, परिव्राजक निवास हेतु आवासीय निर्माण, गायत्री शक्तिपीठ प्रांगण में छत व्यवस्था एवं शक्तिपीठ के गेट के निर्माण हेतु सहयोग देने के लिए गायत्री परिवार के विभिन्न परिजनों द्वारा संकल्प लिया गया। कुछ भाई-बहनों ने तो नगद में सहयोग राशि प्रदान करके रसीद प्राप्त की। भाईयों ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रुप से योगदान देने का संकल्प लिया एवं गुरु सत्ता के कार्य में सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई। परम पूज्य गुरुदेव, वंदनीय माता जी एवं मां गायत्री से प्रार्थना करते हैं कि सभी परीजनों को शक्ति, युक्ति और प्रेरणा दें।

गोंदिया शहर के ऐतिहासिक सामाजिक सौहार्द्र की परंपरा के साथ मुख्य मार्ग का

गुरु गोबिंद सिंह मार्ग नामकरण व लोकार्पण

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा, श्री गुरु गोबिंदसिंह के सिख धर्मियों, अनुयायियों एवं अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा बहुप्रतीक्षित माँग के अनुसार ऐतिहासिक सामाजिक सौहार्द्र की परंपरा के साथ रेलटोली स्थित मुख्य गुरुद्वारा चौक से पाल चौक तक के मुख्य मार्ग का नाम गुरु गोबिंद सिंह मार्ग यह नामकरण घोषित कर कोणशिला का अनावरण करते हुए नगराध्यक्ष अशोक इंगले द्वारा लोकार्पित किया गया।

इस अवसर पर नगराध्यक्ष इंगले ने कहा कि सिख धर्म के दसवें महान गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम से आज से इस मुख्य मार्ग को जाना जाएगा। तत्पश्चात उन्होंने गुरुद्वारा में श्री गुरु गोविंदसिंह को नमन कर अभिवादन किया। उन्होंने इस कार्य के पूर्ण होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा की ओर से ग्रंथी सतपालसिंह एवं हजूरी रागी हरमिंदरसिंह खालसा द्वारा अरदास की गई एवं उपस्थित सभी नागरिकों ने वाहेगुरुजी का खालसा, वाहेगुरुजी की फतेह का नारा देकर गुरु गोबिंद सिंह जी के चरणों में नमन कर बोले सो निहाल सत श्री अकाल का उद्घोष किया।

इस अवसर पर बांधकाम सभापति राजकुमार कुथे, गटनेता शकील मंसूरी, गटनेता घनश्याम पानतवने, नगरसेविका रत्नमाला साहू, नगरसेवक सचिन शेंडे, जिला उपाध्यक्ष भाजपा नंदकुमार बिसेन, भाजपा वरिष्ठ सदस्य इंद्रकुमार (पप्पू) अरोरा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा गोंदिया शहर अध्यक्ष जसपाल सिंह चावला, कृषिकांत साहू, मुख्य कार्यकारी अभियंता डॉली मदान, गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा के अध्यक्ष मंगतसिंह होरा, गुरभेजसिंह भाटिया, गुरुदयालसिंह रामानी, गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के पूर्व अध्यक्ष हरजीतसिंह जुनेजा, दविंदरपालसिंह भाटिया, सतबीरसिंह मथारु, जसमीतसिंह भाटिया, गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादर साहिब के अध्यक्ष प्रितपाल सिंह होरा, किशन गांधी, हरजीतसिंह चावला, सतनामसिंह चावला, प्रीतपालसिंह गुलाटी, तीरथसिंह भाटिया, गिनदरकुमार (मोती) अरोरा, मुरली राही, दलजीत सिंह बग्गा, राजू बग्गा, हरलीनसिंह होरा, सुरेंद्रसिंह सलुजा, अवनीतसिंह भाटिया, धनवंतसिंह भाटिया, गुरुमीतसिंह भाटिया, जसपालसिंह बाले भाटिया, अमरजीतसिंह भाटिया, तनवीरसिंह वदन, इंदरसिंह रामानी, दलजीतसिंह राजा गुरुदत्ता, रोजी गुलाटी, सुरजीतसिंह सलुजा, परमजीतसिंह होरा, दविंदरसिंह होरा, हरपालसिंह होरा, बलबीरसिंह भाटिया, अमनदीपसिंह मथारु, मीनू बग्गा, मरदानासिंह चावला, किरतसिंह गुलाटी, जसबीरसिंह मिसन, चंद्र पर्यानी, चौजी गुरुदत्ता सहित सिख समाज के अनेक गणमान्य सदस्य सहित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप मेमोरियल संस्था के अध्यक्ष सुभाषसिंह बैस, उदय प्रमर, विजयसिंह बैस, प्रदीपसिंह ठाकुर, मनमोहनसिंह ठाकुर, नीतीश शहा, आनंद ठाकुर, कमल ठाकुर, मनोज टेहरा, अशोक शर्मा, समीर बैस, अरविंद चौरसिया, संजय मुरकुटे, रिंकू शर्मा, गोविंद महाराज, नीरज ठाकुर, मनोज पारेख, प्रफुल्ल चावड़ा, राजेश चौहान, योगेश सोलंकी, अप्पाराव पंढरी इत्यादि प्रमुखता से उपस्थित थे।

नागरिकों ने किया निर्मला मिश्रा का जाहिर सत्कार

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आनेवाले प्रभाग क्रमांक 17 की पूर्व पार्षद निर्मला दिलीप मिश्रा के पार्षद काल के 10 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने तथा इन 10 वर्षों में क्षेत्र के विकासात्मक कार्य व नागरिकों की सेवा किए जाने के चलते प्रभाग के गणमान्य नागरिकों द्वारा पूर्व नगर सेविका निर्मला मिश्रा का जाहिर सत्कार किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रुप से पंडरी काका, यादव राउत, जगदीश तिडके दिनु मेश्राम, दिनेश नागवंशी, शोभेलाल कावड़े, राजेश वाढई, बेलगे, बंडु नंदेश्वर, मुन्ना नंदेश्वर, भीमराव नंदेश्वर, गणेश डाहाके, प्रदीप कावड़े, बागवान कावड़े, रमेश दवारे, अतुल तिडके, सचिन राउत, प्रकाश सोगलपुरे, परमानंद बावने, विजय कुमार, भैया बंधु, संतोष मामा, आदित्य काडे, बटी बावने, रणवीर राऊत, कौतिका तिडके, किरण शर्मा, तारा चाची, कविता अबादे, अंजू गुप्ता, सुनीता गुप्ता, पुष्पा तिड़के, सीमा तिडके, जसवंती दवारे, चित्रा बेलगे, सोनवाने बाई, राउत बाई, डाहाके बाई, राधा शर्मा, म्हात्रे बाई, मनोरम नंदेश्वर व वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

चक्रवर्ती सम्राट राजाभोज का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी - सुनंदा बिसेन

बुलंद गोंदिया - राजा भोज हिंदू धर्म के रक्षक के रुप में जाने जाते हैं, उन्होंने बहुत ही कम समय में बहुत से ऐसे काम किए हैं जो आश्चर्यजनक और असंभव हैं। सम्राट राजा भोज ने कई मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया और कई नए बनवाए। भोपाल शहर का नाम उनके नाम पर रखा गया है, जो हिंदू धर्म को पुनर्जीवित करता है, जिसे इस्लामी आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया था। सम्राट चक्रवर्ती राजाभोज का जीवन, जिन्होंने 1000 वर्षों के इतिहास में इतनी शक्तिशाली पराक्रमी राजा कभी नहीं देखी, राजा सम्राट चक्रवर्ती राजभोज का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी है ऐसा श्रीमती सुनंदा बिसेन, परियोजना अधिकारी, नगर परिषद ने सुपर वुमन द्वारा आयोजित राजा सम्राट चक्रवर्ती राजभोज जयंती और वसंत पंचमी कार्यक्रम में कहा।

राजा सम्राट चक्रवर्ती राजाभोज की जयंती के अवसर पर सुपर वुमन ने उनके द्वारा किए गए महान कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनका अभिवादन किया और साथ ही वसंत पंचमी उत्सव सुपर वुमन के कार्यालय गोंदिया में मनाया गया। सबसे पहले राजा सम्राट चक्रवर्ती राजाभोज और विद्या की आराध्य देवी माता सरस्वती की पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी पूजा की गई। सुपर वूमन कि संचालिका श्रीमती प्राची गुडधे, श्रीमती समीक्षा पटले, श्रीमती सुनीता ठाकुर, श्रीमती आरती पारधी, श्रीमती प्रीति बोपचे, श्रीमती नीता शेंडे, श्रीमती सुरेखा गायधने, श्रीमती भूमिका टिकरिया, श्रीमती संध्या डोंगरवार, श्रीमती मोना दियेवार, श्रीमती चिंटू पटले सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती समीक्षा पटले ने किया और श्रीमती भूमिका टिकरिया ने धन्यवाद दिया।

तायक्वांडो सेमिनार में खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

जनाक्रोश संस्था के कैलेंडर का विमोचन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला तायक्वांडो एसोसिएशन द्वारा तायक्वांडो कलर बेल्ट ग्रेडेशन एग्जामिनेशन सेमिनार आयोजित किया गया था। इस अवसर पर जनाक्रोश संस्था का यातायात जनजागृति संबंधित कैलेंडर का विमोचन जनाक्रोश संस्था गोंदिया जिला अध्यक्ष कु. शिखा सुरेश पिपलेवार की प्रमुख उपस्थिति में क्रीडा मार्गदर्शक व इंटरनेशनल रेफरी व कोच राज्य क्रीडा संगठन गोंदिया के दुलीचंद मेश्राम के हस्ते किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को यातायात संबंधित बरती जाने वाली सावधानियों के संदर्भ में जानकारी प्रदान की गई। उपरोक्त कैलेंडर व परिपत्रक यातायात नियमों की जानकारी के लिए काफी उपयोगी साबित होगा।

इस अवसर पर तायक्वांडो व मार्शल आर्ट के संदर्भ में जानकारी दी गई व प्रशिक्षण में सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणी के बेल्ट व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही सशक्त नारी संघटना की महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित निर्माण किए गए काटन कपड़े के 2 परतो वाले मास्क जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित सेमिनार में उपस्थित विजेता खिलाड़ियों व पदाधिकारियों को वितरित किये गये। इस अवसर पर दुलीचंद मेश्राम, सशक्त नारी संगठन की अखिल भारतीय संचालक कु.शिखा पिपलेवार, निलेश फुलबांधे, भारती चचाने, प्रियंका राऊत आदि उपस्थित थे।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ–सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

खेत में जाने का रास्ता शुरु करे
किसान ने शुरु किया आमरण अनशन

बुलंद गोंदिया - गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कलपाथतरी निवासी किसान पूरनलाल आसाराम पारधी द्वारा खेत में जाने वाले सरकारी पायदान रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त कर रास्ता शुरु करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन आमरण अनशन शुरु किया है। गौरतलब है कि गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कलपाथतरी निवासी किसान पूरनलाल आसाराम पारधी के खेत परिसर में जाने का शासकीय भूमि का पायदान रास्ता 0.22 आर पर आसपास के किसानों द्वारा अतिक्रमण कर लिया है, जिससे उसके खेत परिसर में जाने का रास्ता ही नहीं बचा है। तथा इस संदर्भ में वर्ष 2016 से पीड़ित किसान द्वारा संघर्ष कर न्याय की मांग की जा रही है, किंतु न्याय नहीं मिलने के चलते अपने खेत परिसर पायदान रास्ते के समीप 11 फरवरी से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरु किया है।

उल्लेखनीय है कि भूमापन क्रमांक 17 यह शासकीय भूमि किसानों को अपने खेत परिसर में जाने के लिए पायदान मार्ग के रुप में उपयोग होता है। इसी मार्ग से पीड़ित किसान द्वारा अपने खेत में जाकर अपना कृषि कार्य करता है किंतु मार्ग बंद हो जाने से कृषि उपज को बाहर किस प्रकार लाया जाए यह प्रश्न उसके समक्ष निर्माण हो गया है। तथा अपने परिवार का पालन पोषण किस प्रकार किया जाए इस संदर्भ इसके लिए पीड़ित किसान द्वारा तहसीलदार गोरेगांव को अनेकों बार निवेदन देकर मांग की गई है। किंतु इस पर अनदेखी किए जाने के चलते किसान परिवार पर भुखमरी व आर्थिक संकट निर्माण हो गया है। जिससे परेशान होकर किसान द्वारा अपनी इस मांग को लेकर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरु किया है। जब तक शासन द्वारा इस गंभीर समस्या का हल नहीं किया जाता, तब तक वे आमरण अनशन पर रहेंगे। इस प्रकार की सूचना का पत्र संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को किसान द्वारा दिया गया है।

कोरोना ने बाधित की ऐतिहासिक कचारगढ़ यात्रा

एशिया खंड की सबसे बड़ी प्राकृतिक गुफा है कचारगढ़ में 16 राज्यों के आदिवासी पहुंचते है दर्शन के लिए

बुलंद संवाददाता - कोयापुनम के दिन से सात दिनों तक कचारगढ़ की यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 14 फरवरी से कचारगढ़ में महापूजा का आयोजन किया गया है। लेकिन कोरोना के नियम ने ऐतिहासिक कचारगढ़ की यात्रा की परंपरा को तोड़ दिया है। जबकि इस यात्रा में देश के 16 राज्यों के आदिवासी कचारगढ़ गुफा में अपने आराध्य दैवत के दर्शन करने पहुंचते है। लेकिन कोरोना ने उनकी आस्था पर पानी फेर दिया है।

बता दें कि एशिया खंड की सबसे बड़ी प्राकृतिक गुफा कचारगढ़ में निर्मित है। इस गुफा को आदिवासी गोंड समाज का उगम स्थल भी कहा जाता है। अतिसंवेदनशील नक्सलग्रस्त क्षेत्र में स्थित कचारगढ़ के घने जंगलों में पहाड़ियों के बीच यह गुफा है। इसी गुफा स्थल से छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश की सीमा शुरु होती है। कहा जाता है कि गोंडी धर्म की स्थापना पारी कोपार लिंगों ने 5 हजार वर्षों पूर्व की

थी। इस गुफा में पूर्वज तथा आदिवासी के धर्म संस्थापक पारी कोपार लिंगों व काली कंकाली मां के दर्शन होते है। धर्मप्रेमियों द्वारा बताया जाता है कि धर्मगुरु पाहंदी पारी कोपार लिंगो ने इसी स्थल से धर्म का प्रचार शुरु किया था। इसलिए इस स्थल को आदिवासीयों का उगम स्थल कहा जाता है। आदिवासियों की आस्था इस गुफा से जुड़ी होने के कारण प्रतिवर्ष कोयापुनम अर्थात माघ पूर्णिमा के दिन से सात दिनों तक यात्रा का आयोजन किया जाता है। जिसमें 16 राज्यों के आदिवासी इस गुफा में पहुंचकर अपने आराध्य दैवत के दर्शन करते है। 14 फरवरी से महापूजा का आयोजन किया गया है। जिला प्रशासन ने यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिस कारण आदिवासी समुदायों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि शासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करते हुए महापूजा की जाए। कोरोना के नियमों ने ऐतिहासिक कचारगढ़ यात्रा की परंपरा को तोड़ दिया है।

कोरोना के नियमों का करें पालन

आदिवासीयों का आस्था का स्थल कचारगढ़ गुफा में प्रतिवर्ष यात्रा का आयोजन किया जाता है। जहां पर तीन लाख से अधिक आदिवासी श्रद्धालु भारत देश से पहुंचते है। लेकिन कोरोना के कारण यात्रा का आयोजन नहीं किया गया है, लेकिन धर्मस्थल पर महापूजा का आयोजन किया गया है। सभी ने महापूजा के दौरान कोरोना के नियमों का पालन करें। इस तरह की अपील की गई है।

- गुलाबसिंग कोडापे
आदिवासी समाज सेवक

पुर्व विधायक बडोले नेतृत्व में
किसानों का मोर्चा

बुलद गोदिया - महंगी होती बिजली, लोडशेडिंग, मनमाने बिल, जबरन वसूली तथा बिल ना भर पाने पर विद्युत आपूर्ति बंद करने तथा महावितरण की तानाशाही से त्रस्त किसानों कि समस्याओं को देखते हुए अर्जुनी मोरगांव विधानसभा के पुर्व विधायक इंजि.राजकुमार बडोले के नेतृत्व में तथा आमगांव विधानसभा के पुर्व विधायक संजय पुराम तथा गढ़चिरौली विधानसभा के विधायक देवराम होली की उपस्थिति में देवरी में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा भव्य जनाक्रोश मोर्चा निकाला गया।

देवरी स्थित भाजपा कार्यालय से पुर्व विधायक बडोले, भाजयुमो जिलाध्यक्ष हर्ष मोदी, संजय पुराम, विधायक देवराम होली सहित भाजपा के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में किसानों का मोर्चा चिचगढ टी-प्वाइंट से होता हुआ महामार्ग पर स्तिथ कार्यकारी अभियंता के कार्यालय पहुंचा तथा कार्यकारी अभियंता के मार्फत ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत को 9 सूत्रीय मांगों की सूची सौंपी गई। इस दौरान राज्य में बैठी महाविकास आघाड़ी पर किसानों से धोखाधड़ी करने, उनका शोषण करने का आरोप लगाकर उसके खिलाफ नारेबाजी की गई।

इस अवसर पर पुर्व विधायक राजकुमार बडोले ने राज्य सरकार तथा महावितरण पर किसानों का शोषण करने उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीते साल मानसून की धोखाधड़ी से पहले ही किसानों की कमर टूट गई है और उन्हें खरीफ़ की फ़सल में जबरदस्त नुकसान हुआ है। लेकिन महावितरण की तानाशाही, मनमाने ढंग से लोड शेडिंग तथा सख्ती से बिल वसूली के चलते किसानों की रबी की फसल भी बगैर पानी के बर्बाद होने के कगार पर है। मोर्चे के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए देवरी पुलिस ने तगड़ा इंतजाम किया था।

एवरग्रीन लॉज में प्रेमी युगल ने गटका जहर, उपचार के दौरान हुई मौत

बुलंद गोंदिया - गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना व ग्राम पंचायत फुलचुर के अंतर्गत आने वाले गोंदिया कोहमारा मार्ग पर स्थित एवरग्रीन लॉज में 10 फरवरी की रात एक 22 वर्षीय युवक व 21 वर्षीय युवती प्रेमी युगल द्वारा जहर गटक लिया। जिनकी उपचार के दौरान शासकीय जिला चिकित्सालय में मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया शहर के गोविंदपुर निवासी 24 वर्षीय युवक आकाश महेश सेठिया व नागपुर के प्रीतम नगर दिघोरी उमरेड रोड निवासी रोहिणी देवराम पवार (21) युवती गोंदिया कोहमारा मार्ग पर स्थित ग्राम फूलपुर पेट्रोल पंप के समीप एवरग्रीन लॉज में रुके हुए थे। इसकी जानकारी युवक के परिजनों को होने पर वे 7.42 पर एवरग्रीन लाज पहुंचे। जहां जानकारी प्राप्त करने पर वह तीसरी मंजिल के एक कमरे में होने की बात सामने आई। जिस पर युवक के परिजन वेटर के साथ कमरे में जाने पर युवक व युवती अचेत अवस्था में दिखाई दिए। जिन्हें तत्काल ऑटो द्वारा जिला शासकीय चिकित्सालय केटीएस ले जाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा जांच कर उनके द्वारा जहर का सेवन किए जाने की बात सामने आई। दोनों की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में दाखिल कराया गया। यहां रात 1.20 पर युवती की 1.45 पर युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। दोनों मृतक प्रेमी युगलों का 11 फरवरी की सुबह पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया। उपरोक्त मामले में गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में चिकित्सा अहवाल के आधार पर आकस्मिक मौत जाफो 174 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब बोरसे के मार्गदर्शन में शुरु की गई है।

एवरग्रीन लॉज के खिलाफ अवैध रुप से युवक-युवतियों को रुम देने का मामला

अनेकों बार सामने आया। फूलचूर पेट्रोल पंप के समीप स्थित एवरग्रीन लॉज में देह व्यवसाय व अवैध रुप से युवक-युवतियों को रुम देने का मामला अनेकों बार सामने आया है। इस संदर्भ में परिसर के नागरिकों द्वारा लोकवाणी के माध्यम से गोंदिया शहर के एक लोकप्रिय समाचार पत्र में इस संदर्भ में समाचार भी प्रकाशित कर पुलिस प्रशासन से उपरोक्त एवरग्रीन लाज पर कार्यवाही की मांग की थी। अब इस प्रकार की घटना होने से यह स्पष्ट हो गया है कि एवरग्रीन लॉज में अवैध रुप से युवक-युवतियों को रुम देने व देह व्यवसाय का कार्य चलाया जा रहा है। जिस पर पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग परिसर के नागरिकों द्वारा की गई है।

शहर की अधिकांश लॉजो व होटलों में हो रहे अवैध व्यवसाय

गोंदिया शहर के अनेक होटल व लॉजो में देह व्यवसाय का अवैध व्यवसाय बड़े पैमाने पर शुरु है। उल्लेखनीय है कि गोंदिया शहर में किसी भी प्रकार का औद्योगिक क्षेत्र, टूरिज्म क्षेत्र ना होने के बावजूद बड़े पैमाने पर शहर के चारों और लॉजो का जाल बिछ चुका है। जिसमें लॉज संचालकों द्वारा देह व्यवसाय के लिए अवैध रुप से युवक-युवतियों व महिला पुरुषों को रुम उपलब्ध कराए जाते हैं। जिससे देह व्यवसाय गोंदिया शहर व आसपास में बड़े पैमाने पर फैल चुका है। जिसमें गोंदिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की युवतियों के साथ-साथ नागपुर, बालाघाट, वडसा, गडचिरोली, भंडारा जिले से भी देह व्यवसाय के लिए युवतियां गोंदिया पहुंचती है। इस प्रकार की जानकारी सूत्रों द्वारा प्राप्त हुई है। इस पर पुलिस प्रशासन द्वारा एक कड़ा अभियान चलाते हुए जांच की जाए तो अनेक मामले सामने आ सकते हैं। जिसमें देह व्यवसाय के साथ-साथ कई अवैध धंधों का भंडाफोड़ भी होने के साथ ही अनेक आरोपी भी पुलिस की गिरफ्त में हो सकते हैं।

चाकू की नोक पर लूटपाट करनेवाले आरोपी पुलिस की हिरासत में

बुलंद संवाददाता - अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले प्रतापगढ़ निवासी फरियादी मुनेश्वर नामदेव लुटे को खैरी जंगल परिसर में चाकू की नोक न पर लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को अर्जुनी मोरगांव पुलिस द्वारा धर दबोचा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुनी मोरगांव तहसील के आने वाले प्रतापगढ़ निवासी फरियादी मुनेश्वर नामदेव लुटे यह प्रतापगढ़ से 9 फरवरी की दोपहर मोटरसाइकिल से जा रहा था। इसी दौरान खैरी जंगल परिसर में दो आरोपियों द्वारा रास्ते में उसे रोककर चाकू की नोक पर गाड़ी से नीचे उतारा व पिटाई कर जंगल के एक पेड़ पर बांधने के पश्चात आरोपी के जेब से नगद 4500 व महत्वपूर्ण दस्तावेज तथा दुपहिया वाहन लेकर फरार हो गए थे। पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सूर्यवंशी द्वारा इस घटना को गंभीरता से लेते हुए भादवि की धारा 394, 342, 506, 34 के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु की। सूत्रों से जानकारी मिलने के पश्चात दो आरोपी अर्जुनी मोरगांव निवासी बलजीतसिंह सुरजीतसिंह भोड व राकेश नामदेव सहारे को हिरासत में लेकर दुपहिया वाहन जप्त किया तथा आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां उन्हें पुलिस हिरासत में भेजा गया।

लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए वक्तव्य का
गोंदिया जिला कांग्रेस द्वारा निषेध

बुलंद गोंदिया - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 7 फरवरी को लोकसभा में वक्तव दिया कि कांग्रेस पक्ष ने संपूर्ण देश में कोरोना वायरस फैलाया है। जिसमें महाराष्ट्र सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण काल के दौरान महाराष्ट्र सरकार की लापरवाही के कारण पूरे देश में कोरोना फैला। प्रधानमंत्री के इस कथन का जिला कांग्रेस द्वारा विरोध कर भाजपा कार्यालय जिले के भाजपा सांसद के कार्यालय के समक्ष धरना आंदोलन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन उप विभागीय अधिकारी गोंदिया को सौंपा। इस मामले में आयोजित पत्र परिषद में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दिलीप बंसोड ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनका कथन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। तथा उन्होंने महाराष्ट्र व संपूर्ण महाराष्ट्र की जनता का अपमान किया है। जबकि संपूर्ण विश्व में महामारी फैलाने वाले कोरोना वायरस के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा नमस्ते ट्रंप यह कार्यक्रम लेकर लाखों लोगों की भीड़ जमा की थी, जिसके चलते कोरोना वायरस संपूर्ण देश में फैला है। तथा मोदी द्वारा नमस्ते ट्रंप के कार्यक्रम के चलते विमान सेवा बंद नहीं की तथा हवाई यातायात शुरु रहने के चलते इसका संक्रमण देश में फैला तथा महामारी की स्थिति निर्माण हुई। इसके साथ ही इस दौरान बिहार राज्य में विधानसभा चुनाव लिए गए जिससे कोरोना संक्रमण बड़ा। आगामी चरण में कोरोना के संक्रमण बढ़ने के बावजूद पश्चिम बंगाल, आसाम, तमिलनाडु, केरल व पांडिचेरी इन राज्यों में विधानसभा चुनाव लिया गया। जिससे सही अर्थों में कोरोना संक्रमण फैलाने का पाप मोदी सरकार द्वारा किया गया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव सामने होने पर अपने स्वयं के पाप महाराष्ट्र पर लगाने का कार्य नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया है। महाराष्ट्र सरकार की भूमिका सदैव सकारात्मक रही है किंतु मोदी द्वारा जनता का विचार ना करते हुए अविवेक तरीके से लॉकडाउन लगाकर देश के समक्ष एक भारी संकट निर्माण किया तथा इस लॉकडाउन के दौरान किसी भी प्रकार की केंद्र की सरकारी योजना द्वारा क्रियान्वित नहीं की गई। जिसके परिणाम स्वरुप अन्य राज्यों के मजदूरों व उन पर आधारित महिलाओं बच्चों, वृद्धो को हजारों किलोमीटर पैदल चलकर घर जाने की नौबत आ पड़ी। इस दौरान हजारों मजदूर व छोटे बच्चों को अपनी जान गंवानी पड़ी जिसका पाप नरेंद्र मोदी के सिर पर है। अपने इस नाकामी को छुपाने उल्टा कांग्रेस तथा महाराष्ट्र पर झूठा आरोप का कथन दिया है। जिसका कांग्रेस पक्ष द्वारा जाहिर निषेध किया जाता है। आयोजित पत्र परिषद में कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिलीप बंसोड अशोक गप्पू गुप्ता, अमर वराडे, उषा मेडे, जहीर अहमद, सहित जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नियमित मान्यता प्राप्त शिक्षकों को ही वरिष्ठ वेतन श्रेणी का लाभ दिया जाए - मुकेश मिश्रा

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद अंतर्गत न.प. की स्कूलों में काफी वर्षों से कुछ शिक्षक बिना नियमीत मान्यता के टेंपरेरी मान्यता के आधार पर ही कार्य कर रहे हैं। जो कि नियमानुसार पूर्णत: गलत है। जबकि शिक्षण अधिकारी गोंदिया द्वारा नगर परिषद को शिक्षकों की नियमित मान्यता की कॉपी शिक्षाअधिकारी गोंदिया कार्यालय को भेजने के लिए बारंबार पत्र व्यवहार किया गया है। फिर भी नगर परिषद गोंदिया के द्वारा शिक्षकों की नियमित मान्यता की प्रति न ही शिक्षा अधिकारी गोंदिया और न ही नगर परिषद शिक्षण विभाग में उपलब्ध है। न ही उनके सर्विस बुक में नियमित मान्यता की प्रति लगाई गई है। जबकि शिक्षकों को नौकरी पर लगने के आदेश के साथ ही, नियमित मान्यता की प्रति शिक्षा अधिकारी गोंदिया द्वारा दी जाती है, किंतु गोंदिया नगर परिषद के शिक्षकों के संदर्भ में भारी मात्रा में शिक्षक घोटाला के रुप में बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है। जिस कारण नगर परिषद गोंदिया की स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के पास नियमित मान्यता की प्रति उपलब्ध नहीं है। फिर भी कई शिक्षक वर्षों से लगातार न.प. की स्कूलों में नियमित कार्य कर रहे हैं उन्हें वरिष्ठ वेतन श्रेणी का लाभ दिया जाना चाहिये।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।